

# मकान मालकिन ने बुला कर चूत चुदवाई

“मेरे पीजी पर मैं और मकान मालकिन दिन में अकेले होते थे... वो गजब की माल भाभी थी, मैं उसे चोदना चाहता था कि एक दिन उसने मुझे अपने कमरे में बुला लिया और फिर... उसने खुद ही पहल की.. ...”

Story By: दीपक राव (deepak rao)

Posted: Thursday, May 7th, 2015

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [मकान मालकिन ने बुला कर चूत चुदवाई](#)

# मकान मालकिन ने बुला कर चूत चुदवाई

दोस्तो.. मैं गुड़गाँव में कमरा लेकर रहता हूँ.. मेरे साथ मेरे दोस्त रहते हैं, वो सारे जाँब करते हैं और मैं किसी कोर्स के लिए यहाँ रहता हूँ।

मेरे दोस्त ड्यूटी पर चले जाते हैं तो मैं कमरे पर पूरा दिन अकेला ही रहता हूँ, सिर्फ़ 2 घंटे के लिए सेंटर पर जाता हूँ। हम लोग जिस जगह पर रहते हैं वहाँ का हमारा मकान-मलिक भी कोई जाँब करता है.. तो वो छुट्टी वाले दिन ही घर पर आ पाता है।

मेरे मकान मालकिन की बीवी बड़ी ही सेक्सी है, उसकी उम्र 28 के आस-पास की है.. मेरा उसे चोदने का बड़ा मन करता था। मैं पूरे दिन उसके चक्कर में रहता था कि कैसे उसकी चूत मारूँ। इससे पहले मैंने कभी चूत नहीं मारी थी.. ये मेरे लण्ड का 'ओपनिंग टाइम' था.. मैं चुदाई में 'डेव्यू' करने वाला था।

एक दिन मैं कपड़े धोकर ऊपर सुखाने के लिए गया.. तो वो अकेली अपने कमरे में बैठी थी।

जब मैं वापस आ रहा था तो उसने मुझसे पूछा- सेंटर हो आए ?

तो मैंने कहा- हाँ जी..

उसने कहा- तो अब आप फ्री हो ?

तो मैंने कहा- हाँ..

उसने बोला- आ जाओ.. बैठ जाओ.. मेरा भी टाइम पास नहीं हो रहा है।

मैं भी अकेला था.. तो बैठ गया।

वो पूछने लगी- तुम्हारा सारे दिन का टाइम पास कैसे होता है ?

मैंने बोला- टीवी देखता रहता हूँ।

उसने कहा- मैं तो टीवी देखते-देखते भी बोर हो जाती हूँ।

मैंने कहा- हाँ ये तो है..

फिर उसने कहा- चाय पीओगे ?

तो मैंने कहा- हाँ..

वो चाय बनाने चली गई.. मैंने सोचा कि आज तो शायद चूत मिलेगी ।

फिर वो चाय लेकर आई तो उसने पूछा- कोई गर्लफ्रेंड है तुम्हारी ?

मैंने कहा- नहीं..

तो उसने पूछ लिया- फिर तो कभी सेक्स भी नहीं किया होगा ।

यह सुन कर मैं चौंक उठा.. फिर मैंने सोचा आज तो बेटा चूत मिलेगी ही मिलेगी ।

मैंने कहा- नहीं..

फिर उसने बिंदास पूछा- मेरे साथ सेक्स करना चाहोगे ?

मैं कुछ नहीं बोला.. मैं शर्मा रहा था..

वो मेरे बगल में आकर बैठ गई और मेरी जांघ पर अपना हाथ रख दिया ।

तभी मेरा लण्ड खड़ा हो गया, मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और दूसरा हाथ उसकी जाँघ पर रख दिया और हाथ फेरने लगा ।

हाथ फेरते-फेरते मैं उसकी चूत तक पहुँच गया.. मैंने उसकी चूत की दरार को महसूस किया ।

चूत की दो अलग-अलग सी पंखुड़ियाँ फूली सी लग रही थीं ।

फिर मैंने उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिए । मैं उसकी गरम साँसों को महसूस कर रहा था । फिर तो क्या.. हम दोनों एक-दूसरे से लग कर शुरू हो गए.. ज़ोर-ज़ोर से एक-दूसरे के होंठ चूसने लगे ।

मैंने उसके उसके ऊपर के कपड़े निकाल दिए । क्या मस्त चूचियां थीं उसकी.. एकदम गोरी और चिकनी.. उन्हें चूसने लगा ।

कुछ देर बाद मैंने उसके पूरे कपड़े उतार दिए और वो अब बिल्कुल नंगी थी ।

देखने में उसकी चूत एकदम मस्त लग रही थी.. ऐसा लग रहा था.. कि वो एक बार भी नहीं चुदी हो।

मैंने ज्यादा समय खराब न करते हुए अपने भी सारे कपड़े उतार दिए और उसे खड़ा करके दीवार के साथ लगा कर.. उसे चूसने लगा। फिर उसका मुँह दीवार की तरफ करके अपने लण्ड को उसकी गाण्ड से रगड़ने लगा था.. आह्ह.. बड़ा ही मज़ा आ रहा था।

फिर हम दोनों बिस्तर पर आ गए और उसने मेरा लण्ड पकड़ा और सहलाने लगी, उसने मेरा लण्ड अपने मुँह में ले लिया ओर ज़ोर-ज़ोर से चूसने लगी।

आह्ह.. बड़ा मज़ा आ रहा था।

उसने कहा- तुमने आज तक चूत नहीं मारी और इतना बड़ा लण्ड है तुम्हारा ?

तो मैंने कहा- ये तो मुट्ठ मार-मार कर बड़ा हुआ है।

फिर मैंने उसकी टाँगों को फैला कर उसकी चूत पर नजाकत से हाथ फेरा.. उसे बड़ा मज़ा आ रहा था।

एकदम गोरी चूत थी उसकी.. एक भी बाल नहीं था उस पर.. आह्ह.. बहुत ही मस्त चूत थी।

फिर मैंने उसकी चूत पर जीभ रखी और चाटने लगा.. बड़ा अजीब सा टेस्ट आ रहा था.. वो भी पूरी तरह से मस्त हो रही थी.. उसे बड़ा मज़ा आ रहा था।

कुछ समय बाद हम 69 की अवस्था में हो गए.. अब मैं उसकी चूत चाट रहा था और वो मेरा लण्ड चूस रही थी। मुझे बड़ा मज़ा आ रहा था। मेरा लण्ड किसी ने पत्नी बार चूसा था.. तो मज़ा तो आना ही था।

उसकी चूत चाटते समय ही उसका पानी निकल गया और सारा पानी मेरे मुँह में आ गया.. अजीब सा टेस्ट लगा।

फिर मेरा भी लण्ड उसके मुँह में था और वो चूसने में मस्त थी.. जैसे कि उसमें से जूस निकल रहा हो। फिर मेरा भी उसके मुँह में ही छूट गया।  
वो सारा माल पी गई।

अब हम दोनों खड़े होकर बैठ गए और उसने मेरे लण्ड को सहला कर फिर से खड़ा कर दिया और अब मैं भी उसकी चूत मारने के लिए तरस रहा था।  
मैं ज्यादा वक्त खराब ना करते हुए उसकी चूत की तरफ आ गया और लण्ड को उसकी चूत पर रखा.. फिर धीरे से सुपारा फंसा कर लौड़े को ज़ोर लगा कर चूत के अन्दर किया.. और फिर एक झटके में ही मेरा आधा लण्ड अन्दर चला गया।

उसके मुँह से आवाज़ आई- आहह.. उफ.. धीरे कर.. क्या फाड़ोगे.. चूत को.. ? एक तो वैसे ही तुम्हारा इतना बड़ा है.. धीरे चोद.. साले.. फ्री में मिल रही है तो चूतिया समझ रहा है..  
आह..

मैंने धीरे से ज़ोर लगा कर अपना लवड़ा पूरा अन्दर कर दिया।  
वो दर्द के मारे मेरे हाथों को पकड़ कर नोंच रही थी, बोली- उह.. दर्द हो रहा है..  
तो मैंने कहा- कोई बात नहीं... अभी कम हो जाएगा।

फिर मैंने धक्के लगाने शुरू कर दिए।  
वो दर्द के मारे आवाज़ें निकाल रही थी और साथ में बोल रही थी- चोदो.. और ज़ोर से..  
चोद..  
मुझे ऐसा लग रहा था कि आज तो मैं जन्नत में घूम रहा हूँ।

अब मैंने अपना लण्ड उसकी चूत से निकाल कर बैठ गया और उसे अपने लण्ड के ऊपर आने को कहा। तो वो मेरे बगल में आ गई और लण्ड को अपने मुँह में लेकर चूसने लगी।  
मुझे बड़ा मज़ा आ रहा था, जब भी वो लण्ड की चमड़ी को अन्दर-बाहर करती थी तो बड़ी

सनसनी होती थी।

फिर मैंने उसे अपने ऊपर आने को कहा तो वो झट से चूत खोल कर मेरे ऊपर आ गई और मेरी दोनों तरफ टाँगें करके.. मेरे लण्ड को अपनी चूत में डाल लिया।

उसको चुदाई का बड़ा अनुभव था.. वो लण्ड को चूत में खा कर नीचे की तरफ बैठने लगी.. तो पूरा लण्ड अन्दर चला गया।

अब वो एकदम से उठ गई.. तो मैंने कहा- क्या हुआ ?

उसने कहा- तेरा एकदम से अन्दर गया तो दर्द हुआ..

फिर आराम से उसने मेरे लण्ड को अन्दर ले लिया और झटके मारने लगी।

मुझे बहुत मज़ा आ रहा था.. मैं भी उसकी कमर पकड़ कर उसका साथ देने लगा। उसको इस तरह से चुदने में बड़ा मज़ा आ रहा था।

बीच में हम एक-दूसरे के होंठ भी चूसने लग जाते थे।

करीब 20-25 मिनट बाद हम दोनों झड़ने की कगार पर आ गए.. दोनों ने एक-दूसरे का साथ देते हुए झटकों की गति बढ़ा दी.. हाय.. क्या मज़ा आ रहा था.. पूछो मत।

फिर मेरे से पहले वो झड़ गई और मेरे नीचे आ गई.. मैं धकापेल उसे चोदता रहा।

फिर मैं भी झड़ने वाला था.. तो मैंने उससे पूछा- रबड़ी कहाँ पर डालूँ ?

तो वो मेरे लण्ड को अपने मुँह में लेकर चूसने लगी.. तभी मैं उसके मुँह में ही झड़ गया।

उसने मेरा सारा माल पी लिया और मेरे ऊपर आकर लेट गई।

उसके बाद मैंने उसकी गाण्ड भी मारी.. उसमें भी बड़ा मज़ा आया..

दोस्तो.. अब मैंने वो कमरा छोड़ दिया है और काफ़ी दिन से गुड़गाँव में किसी नई चूत के चक्कर में हूँ। अब तक तो नहीं मिली है.. अगर मिलेगी तो आपको ज़रूर बताऊँगा।

दोस्तो.. कैसी लगी मेरी कहानी.. मुझे मेरी ईमेल पर ज़रूर बताईएगा।

drao324@gmail.com

